पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना

प्रिलिम्स के लिये:

जगन्नाथ मंदिर, पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना, निःशुल्क योजना, AMSAR अधिनियम।

मेन्स के लिये:

विरासत स्थलों का संरक्षण, उत्खनन परियोजनाओं में विवाद, भारत की मंदिर वास्तुकला, AMSAR अधिनियम।

चर्चा में क्यों?

पुरी में ओडिशा सरकार की महत्त्वाकांक्षी **मंदिर गलियारा परियोजना** राजनीतिक विवाद का विषय बन गई है।

पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना:

- यह पुरी में जगन्नाथ मंदिर सहित एक अंतर्राष्ट्रीय विरासत स्थल बनाने के लिये ओडिशा सरकार की पुनर्विकास परियोजना है। हालाँकि इसकी कल्पना वर्ष 2016 में की गई थी, लेकिन इसका अनावरण दिसंबर 2019 में किया गया।
- इस अम्ब्रेला प्रोजेक्ट के तहत श्री जगन्नाथ हेरिटेज कॉरिडोर या श्री मंदिर परिक्रमा परियोजना के क्षेत्र आते हैं।
- इस परियोजना में श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) भवन पुनर्विकास, एक 600-क्षमता वाला श्री मंदिर स्वागत केंद्र, पुरी झील, मूसा नदी पुनरुद्धार योजना आदि शामिल हैं।
- ओडिशा सरकार ने मंदिर के आसपास के क्षेत्र के सुधार के लिये तीन उद्देश्यों को सूचीबद्ध किया है- मंदिर की सुरक्षा, भक्तों की सुरक्षा और भक्तों के लिये धार्मिक माहौल का निर्माण।
- सरकार ने पुरी (ABADHA) योजना में बुनियादी सुविधाओं के विकास एवं विरासत और वास्तुकला के विकास से संबंधित परियोजना के लिये धन आवंटित किया है।
    - ABADHA योजना में श्री जगन्नाथ मंदिर और उसके आसपास बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के लिये भूमि अधिग्रहण शुल्क/पुनर्वास और सड़क सुधार शामिल है।

परियोजना विवाद का विषय क्यों बन गई है?

- विशेषज्ञों और नागरिक समाज के सदस्यों ने **12 वीं शताब्दी के मंदिर पर प्रतिकूल प्रभाव की संभावना** का हवाला देते हुए खुदाई के लिये भारी मशीनरी के उपयोग पर आपत्ति जताई।
- इस बारे में सवाल उठाए जाने लगे कि क्या मंदिर के चारों ओर निर्माण के लिये उचित अनुमतियाँ और मंजूरी ली गई थी।
- **जगन्नाथ मंदिर को भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का स्मारक नामित किया गया है** और यह एक केंद्रीय संरक्षित स्मारक है।
- मंदिर के 100 से 200 मीटर क्षेत्र के भीतर बड़े पैमाने पर विध्वंस और निर्माण कार्य हो रहे हैं जो प्राचीन स्मारक व पुरातात्त्विक स्थल और अवशेष (संशोधन एवं सत्यापन) अधिनियम (AMSAR), 2010 द्वारा निषिद्ध है।

प्राचीन स्मारक व पुरातत्त्व स्थल और अवशेष (संशोधन एवं मान्यता) अधिनियम (AMSAR), 2010:

- AMSAR (संशोधन और मान्यता) अधिनियम के अनुसार, **संरक्षित क्षेत्र के 100 मीटर की परिधि के भीतर निर्माण कार्य निषिद्ध है।**
- स्मारक के चारों ओर 200 मीटर तक फैले क्षेत्र को **विनियमित क्षेत्र** कहा जाता है।
- AMSAR अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, **संस्कृति मंत्रालय के तहत वर्ष 2011 में स्थापित राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (NMA)** पर ऐसी साइट की परिधि में निषिद्ध और विनियमित क्षेत्र का प्रबंधन करके ASI-संरक्षित साइटों की सुरक्षा एवं संरक्षण का प्रभार है।
- यदि एक विनियमित या निषिद्ध क्षेत्र में निर्माण कार्य किया जाना है, तो NMA से अनुमति लेना आवश्यक है।

- AMSAR अधिनियम में परिभाषित **"निर्माण"** शब्द में **सार्वजनिक शौचालयों, मूत्रालयों और "समान सुविधाओं" का निर्माण शामिल नहीं है।**
  - इसमें पानी, बिजली की आपूर्ति या "प्रचार के लिये समान सुविधाओं का प्रावधान" के कार्य शामिल नहीं हैं।
- इसके अलावा यदि स्मारक का निर्मित क्षेत्र 5,000 वर्ग मीटर से अधिक है, तो स्मारक के चारों ओर विकास से पहले NMA द्वारा एक प्रभाव मूल्यांकन किया जाना भी आवश्यक है।

जगन्नाथ मंदिर की विशेषताएँ:

- ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर का **निर्माण 12वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश** (Eastern Ganga Dynasty) के **राजा अनंतवर्मन चोडगंग देव द्वारा** किया गया था।
- पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को **'यमनिका तीर्थ'** भी कहा जाता है, हिंदू मान्यताओं के अनुसार, पुरी में भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण मृत्यु के देवता **'यम' की शक्ति** समाप्त हो गई है।
- इस मंदिर को **"सफेद पैगोडा"** कहा जाता था और यह **चारधाम तीर्थयात्रा** (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का हिस्सा है।
- मंदिर के **चार (पूर्व में 'सिंह द्वार', दक्षिण में 'अश्व द्वार', पश्चिम में 'व्याघ्र द्वार' और उत्तर में 'हस्ति द्वार') मुख्य द्वार** हैं। प्रत्येक द्वार पर नक्काशी की गई है।
- इसके प्रवेश द्वार के सामने अरुण स्तंभ या सूर्य स्तंभ स्थित है, जो मूल रूप से **कोणार्क के सूर्य मंदिर** में स्थापित था।

//

ओडिशा के अन्य महत्त्वपूर्ण स्मारक:

- **कोणार्क सूर्य मंदिर (यूनेस्को विश्व विरासत स्थल)**
- **तारा तारिणी मंदिर**
- **लिंगराज मंदिर**
- **उदयगिरि और खंडगिरि गुफाएँ**

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न (PYQ):

प्रश्न. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये:

सूची I (प्रसिद्ध मंदिर) सूची II (राज्य)

A. विद्याशंकर मंदिर 1. आंध्र प्रदेश
B. राजरानी मंदिर 2. कर्नाटक
C. कंदरिया महादेव मंदिर 3. मध्य प्रदेश
D. भीमेश्वर मंदिर 4. ओडिशा

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A B C D

(a) 2 4 3 1

(b) 2 3 4 1
(c) 1 4 3 2
(d) 1 3 4 2

उत्तर: (a)

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/puri-heritage-corridor-project-1